



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

N  
1/8/88.

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 51]  
No. 51]

नई दिल्ली, मंगलवार, मार्च 8, 1988/फाल्गुन 18, 1909  
NEW DELHI, TUESDAY, MARCH 8, 1988/PHALGUNA 18, 1909

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

वस्त्र मंत्रालय

(वस्त्र आयुक्त का कार्यालय)

अधिसूचनाएं

दम्बई, 7 मार्च, 1988

स. सी इ आर/(18)/88-सीएलबी :--वस्त्र (नियंत्रण) अधिनियम,  
1986 की धारा 17 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एतद्-  
द्वारा निम्न अधिसूचना जारी करता हूँ :--

भाग-एक

1. संक्षिप्त नाम, सीमा एवं प्रयुक्ति:--(1) यह अधिसूचना वस्त्र  
(उपभोक्ता संरक्षण) विनियम, 1988 कहा जाए।

(2) यह अधिसूचना पूरे भारत में लागू होगी।

(3) यह 15 जून, 1988 से प्रवृत्त होगी।

2. परिभाषा:--(1) "क्षतिग्रस्त टुकड़ा" या "दोषपूर्ण टुकड़ा" से  
तात्पर्य कपड़े का प्रति पांच मीटर या उसके भाग का ऐसा टुकड़ा जिसमें  
दो से अधिक दोष हों जैसे इस अधिसूचना के परिशिष्ट "सी" में दिये  
गये हैं।

(2) "डोलर" से तात्पर्य ऐसा व्यक्ति जो टॉप, धागा एवं वस्त्र का  
थोक या खुदरा व्यापार करता हो अथवा किसी अन्य धन्धे के साथ-साथ  
या अलग से करता हो।

(3) "निर्यात के लिए निमित परंतु भारत में विक्री के लिए नहीं"  
से तात्पर्य खुद निर्यात द्वारा निर्यात किया जाना था बेचा गया, जो  
आयात एवं निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम 1947, (1947 का 18) के  
उपबन्धों के अनुसार निर्यातक को निर्यात के लिए दिए गए पूर्व-विद्यमान  
संविदा की अनुरूपता में हो एवं जिसके लिए दोनों अलग रिकॉर्ड रखे।

(4) "निर्यात" ("उत्पादक" तथा "प्रोसेसर" सहित) में हैंड  
प्रोसेसर भी शामिल है जिस से तात्पर्य उस व्यक्ति से है जो सूत, कपड़ा,  
टॉपस या अन्य टेक्सटाइल के निर्माण पूर्व तथा बाद के प्रोसेस में लगी  
हुआ हो बिना शक्ति चाजित अथवा बिना बॉइलर द्वारा प्रदत्त भाग के  
जैसा कि इंडियन बॉइलर अधिनियम 1923, (1923 का पांचवां) के  
भाग (2) के खंड (बी) में विहित है। शब्द उत्पादक में वह व्यक्ति  
भी शामिल है जो वाकरण में दो गई व्याख्या के अनुसार उत्पादन  
करता है।

(5) "पैकिंग" से तात्पर्य सभी प्रकार का पैकिंग जैसे कि रोल  
पैकिंग, पीस पैकिंग, गांठ, केस या बैग आदि के रूप में पैकिंग, का है।

(6) (1) "वस्त्र के टुकड़े" चिन्ती, रैगज और फेंट को छोड़कर तथा निम्नलिखित को शामिल करते हैं :—

(ए) 90 सें.मी. से अधिक चलती लम्बाई का कपड़ा जिसकी चौड़ाई एक मीटर या अधिक हो या 135 सें.मी. से अधिक चलती लम्बाई जिसकी चौड़ाई एक मीटर से कम हो।

(बी) धोती या साड़ियाँ जो सामान्यतः जोड़ी या टुकड़े के रूप में बेची जाती हैं ऐसे बिन कटे कपड़े की कुल लम्बाई, तथा

(सी) समाल, तकिया-कवर, तोलिए, चादरें, कम्बल, बैडशीट तथा बैड-कवर।

(2) "फैन्ट्स" से तात्पर्य कपड़े का कटपीस जिसकी लम्बाई 45 सें.मी. से अधिक है परन्तु 90 सें.मी. से कम है तथा वस्त्र की चौड़ाई एक मीटर या अधिक हो अथवा लम्बाई 65 सें.मी. या उससे अधिक परन्तु 135 सें.मी. से अधिक नहीं है जब वस्त्र की चौड़ाई एक मीटर से कम हो, का है।

(3) "रैगज" से तात्पर्य कपड़े के कटपीस जिसकी लम्बाई 23 सें.मी. से अधिक परन्तु 45 सें.मी. से कम है जहाँ कपड़े की चौड़ाई एक मीटर या उससे अधिक है एवं लम्बाई 23 सें.मी. से अधिक परन्तु 65 सें.मी. से कम है जहाँ कपड़े की चौड़ाई एक मीटर से कम है, का है।

(4) "चिन्दीयाँ" से तात्पर्य है, कपड़े के टुकड़े जो लम्बाई में 23 सें.मी. या उससे कम है,

(7) "रीकंड्रस" कपड़े का, किसी भी लम्बाई का टुकड़ा जिसमें इस अधिसूचना के अनुलग्नक "सी" में वर्णित के अनुसार प्रति पाँच मीटर या उसके अंश पर दो दोप हो जो क्षतिग्रस्त या दोषपूर्ण टुकड़ा नहीं है, से तात्पर्य है।

(8) "टैंडर कपड़े" से तात्पर्य है कपड़े का टुकड़ा जिसकी बुनमी-निमस द्रव परीक्षा 1.0 या उससे अधिक ग्राव्यूईएस है या जिसमें मातारणतः होने वाली उच्च काउंट संरचना वाले वस्त्र की न्यूनतम 50 टेन्साईल शक्ति नहीं है।

(9) वस्त्र (निर्यात) अधिेश, 1956 में दी गई सभी व्याख्याएं इस विनियम पर लागू होंगी।

3. मार्किंग के लिए निर्देश: जब तक कि अन्यथा इन अधिसूचना में निर्दिष्ट हो, :—

(ए) इस अधिसूचना में विहित किए गए के अनुसार टॉप्स, धागे तथा कपड़े के टुकड़े पर मार्किंग का अनुपालन निर्माता द्वारा होगा जिसमें यदि कोई हो तो निर्माण के लिए कारण बने हुए व्यक्ति द्वारा भी होगा।

(बी) यहाँ निर्दिष्ट सभी मार्किंग निर्माता द्वारा संबंधित निर्माण स्थल पर टॉप्स, धागे तथा कपड़े के टुकड़े पर वितरण के लिये वैकिंग से पूर्व की जाएगी।

(सी) ये मार्किंग एवं अंकन किसी अन्य कानून के अधीन निर्दिष्ट किसी अन्य मार्किंग, के प्रतिस्ति हैं।

(डी) टॉप्स, धागे तथा कपड़े के टुकड़े पर किसी भी व्यक्ति द्वारा कोई भी भ्रामक मार्किंग नहीं की जाएगी।

(इ) कोई भी व्यक्ति बिना किसी ऐम माल का ऑफर नहीं देगा या बिक्री के लिये स्टोर नहीं करेगा जिस पर झूठे या भ्रामक मार्किंग है या जो बिना किसी कानूनी मार्किंग के है या इस विनियम का उल्लंघन करते हैं।

(एफ) इस विनियम के अनुसरण में की गई सभी मार्किंग एवं परीक्षाएं भारतीय मानक ध्युरो द्वारा विहित मानकों के अनुसार हो होंगी।

(जी) प्रत्येक प्रोसेसर हैड प्रोसेसर इस अधिनियम के अनुलग्नक (ए) में प्रोसेस करने के लिये दिये गये माल के मालिक से घोषणा लेगा तथा अनुलग्नक (बी) के फॉर्म (बी) में प्राप्ति की तारीख को अपादित दर्ज कर लेगा।

(एच) कोई भी व्यक्ति रैगज और चिन्दी के अलावा कोई भी टैंडर किया गया कपड़ा स्टोर या ऑफर नहीं करेगा।

4. छूट: यह अधिसूचना निम्न पर लागू नहीं होगी :—

(ए) वजन में 500 ग्राम से कम मानव निर्मित फाइबर यार्न और कपास के पैकेज तथा वजन में 50 ग्राम से कम उतरी धागे के पैकेज पर।

(बी) निर्यात के लिए निर्मित तथा भारत में बिक्री के लिए नहीं है ऐम टॉप्स, धागे एवं कपड़े पर।

(सी) खादी एवं शानोद्योग आधुनिक के प्रमाणन के अनुसार हैड स्पन यार्न एवं उसके उत्पादन पर।

(डी) हैन्डलूम कपड़े पर।

(इ) लूम-स्टेट बिना केलेंडर कपड़े पर।

(एफ) आगे की प्रोसेसिंग के लिए एक मॉनेयर हैड प्रोसेसर द्वारा दूसरे प्रोसेसर हैड प्रोसेसर को दिये गये कपड़े पर :

परन्तु यह तब तक कि ऐसे कपड़े की संवत्त संबंधी सूचना अधिम रूप से पहले व्यक्ति द्वारा इन अधिसूचना के अनुलग्नक "ए" पर दिए गए फॉर्म में, रजिस्टर्ड पोस्ट द्वारा वस्त्र आधुनिक के प्रादेशिक कार्यालय जिसके कार्यक्षेत्र में वह आता हो को भेजे और,

साथ ही ऐसे कपड़े का संचलन इस अधिसूचना के अनुलग्नक "बी" पर दिए गए फॉर्म में दूसरे के द्वारा दस डेनु गये गए रजिस्टर में रिकार्ड की गई हों।

(जी) हाई वेस्ट

(एच) रोप, टेप, निवार, रिबन या जिसकी चौड़ाई 15 सें.मी. से कम हो ऐसे किसी भी कम चौड़ाई के कपड़े पर।

(आई) डायमंड मेज जालीदार मच्छरदानी का टुकड़ा जिसकी चौड़ाई किसी भी पाईट में किसी भी दिशा में दाहिने कोण में ज्यादा लम्बाई में 15 सें.मी. से कम हो।

(जे) टावर कांडे यार्न।

(के) नैथर वपड़ों के निर्माता, जो कि वस्त्र आधुनिक कार्यालय बम्बई में पंजीकृत हों या इंडोरीज (डेवेलपमेंट एंड रेगुलेशन) एक्ट, (1951 का 35) के अंतर्गत लाइसेंस में मिला हो, गमेन औद्योगिक उपयोग के लिए उद्योग को मीधे वितरित किया गया कपड़ा परन्तु यह तब जब कि टुकड़े की दोनो ओर "निके औद्योगिक उपयोग के लिए और राष्ट्रीय बिक्री के लिए नहीं" के शब्द छापे गये एवं जिसके लिए दोनों अलग रेकर्ड रखे।

(एल) खुले छोरों या गांठों वाले कांप बॉटम से रीज किया गया यार्न।

(एम) फिटर कपड़ा, एन्डनेग बुना हुआ पेश तथा पुना हुआ कन्वेयर बेल्ट।

5. टोलरेन्स : इस अधिसूचना में निर्दिष्ट लम्बाई, चौड़ाई काउंट, डेनियर या वजन आदि संबंधी कोई भी माफिंग, व्यापार एवं मर्चेन्डाई अधिनियम, 1953 (1953 का 43) की धारा 95 के अन्तर्गत जारी की गई अधिसूचना में दी गई संबंधी परिवर्तन मर्यादाओं पर बाधकारी रहेगी।

6. विविध (1) जब तक कि अन्यथा इस अधिसूचना में विशिष्ट रूपसे उपलब्ध नहीं होता है तब तक शब्दों एवं अक्षरों का अंकन एवं स्पेलिंग जो कुछ भी हो देवनागरी लिपि में हिन्दी में तथा बड़े अक्षरों में अंग्रेजी में हो तथा अंकित अंक आन्तराष्ट्रिय अंक हों।

(2) इस अधिसूचना के अंतर्गत विहित अंकन इस अधिसूचना में विनिर्दिष्ट रूप से निर्दिष्ट मापानों के प्रतिरिक्त अन्य मापानों में भी किया जा सकता है।

(3) प्रयुक्त अक्षरों एवं अकों की लम्बाई :—

(ए) भाग दो, तीन तथा चार में निर्दिष्ट अंकन के पंक्तियों में 0.5 से. मी. से कम।

(बी) भाग तीन में विहित के अनुसार कोन रूप में बैक किए गए यार्न के संबंध में किये जानेवाले अंकन के लिए 0.25 से. मी. से कम; तथा

(सी) भाग 5 में विहित अंकन के लिए 3 से. मी. से कम नहीं नहीं होना चाहिए।

(4) इस अधिसूचना के अनुसार अनिवारिता वस्त्र के टुकड़ों की उपरोक्त एवं किनारी पर तथा अनिवारित कपड़े की गांठों एवं पैकेजों पर किया जाने वाला अंकन लाल रंग के अलावा किसी भी रंग में किया जाएगा।

(5) किसी भी संज्ञित व्यक्ति या किसी भी पंजीकृत उपभोक्ता संस्था को यदि शक है कि निर्माता जिसमें प्रोसेसर या डीलर या कोई भी व्यक्ति शामिल है के द्वारा विलियम का उल्लंघन हुआ है तो उक्त व्यक्ति या संस्था को वस्त्र आयुक्त द्वारा समय समय पर अधिसूचित की गई लेबोरेटरी में उनके द्वारा ठीक समझी गई विहित फीस और शर्तों पर उक्त टाप्स, यार्न और कपड़े की परीक्षा करवाने का अधिकार होगा उक्त लेबोरेटरी उन्हें एक परीक्षा प्रमाण-पत्र जारी करेगी जिससे वे कभी भी कानूनी कार्रवाई कर सकें। यदि कभी आवश्यकता होने पर संबंधित लेबोरेटरी अपने संबंधित स्टाफ को उक्त प्रमाण-पत्र में दिए गए परिणामों की परीक्षा करने के लिए कोर्ट में उपस्थित होने के लिए निर्देश देगी।

(6) विहित अंकन के अलावा टाप्स यार्न और वस्त्र के टुकड़े पर, जैसा भी मांगवा हो, "सभी ऊन" भी अंकित किया जा सकता है जबकि तब ऊन की मात्रा 95% या अधिक हो।

7. श्रुत (रिकॉमैण्डेशन):— जहां किसी भी निर्माता या निर्माताओं के समूह द्वारा किए गए आवेदन पर वस्त्र आयुक्त संतुष्ट है कि इस अधिसूचना के अंतर्गत उन द्वारा जारी किए गए किसी भी निर्देश से बहुत कष्ट या कठिनाई महसूस होती है तो निम्न रूप से कारण रिकार्ड करने हेतु निर्देश देने कि ऐसे निर्माता या निर्माता समूह को आदेश में विहित किए अनुसार किसी परिवर्तन के प्रत्यक्ष निर्देश लागू नहीं होंगे या होंगे।

8. गिनत तथा मेकिंग वस्त्र आयुक्त की निम्न अधिसूचना इस अधिसूचना के आरम्भ के बाद रद्द होगी।

(ए) सी ई आर/3/69, दिनांक 19-9-1969,

(बी) सं. 5 (2)/81-मी एल बी-2, दिनांक 23-11-1981,

(सी) सं. सी ई आर/37/75, दिनांक 1-10-1975

इस तरह से रद्द की गई अधिसूचनाओं के अंतर्गत जो भी आदेश दिए गए, अधिकार प्राप्त संज्ञित हुआ या अन्य कोई कार्य किया गया या किया हुआ माना गया तब से इस अधिसूचना से संबंधित उपबन्धों के अंतर्गत जारी किए गए हुए किए गए, माने जायेंगे।

### भाग दो—टाप्स अंकन

9. टाप्स पर अंकन :— टाप्स के प्रत्येक पैकेज की बाहरी ओर सुरक्षित रूप से चिपकाए गए पेपर लेबिल पर निम्न अंकन किया जाएगा :—

(ए) निर्माता का नाम एवं पता

(बी) किलोग्राम में शुद्ध भार

(सी) रेशे की लम्बाई (मिमीमीटर में) माईक्रान, ऊनी टाप्स के मामले में

(डी) संमिश्र टाप्स के मामले में "संमिश्र टाप्स" इन शब्दों के बाद पैक किए गए टाप्स में मौजूद विभिन्न प्रकार के प्रत्येक रेशे के स्टैंडर्ड माईक्रान रेंजिंग समेत ठीक प्रतिशत :—

ऊन — 35% 1

पॉलिएस्टर— 40%

विस्कोज— 15%

### भाग तीन—यार्न पर अंकन

10. कटे हुए यार्न पर अंकन :— कटे हुए धागे के मामले में निर्माता द्वारा भारत में बिक्री के यार्न के बंडल/पैकेज पर सुरक्षित रूप से चिपकाए या लगाए कागज के लेबिल पर निम्न अंकन किया जाएगा :—

(ए) उत्पादक का नाम एवं पता

(बी) एक रेशे से कता हुआ हो तो "सुती धागा" "पॉलिएस्टर कता हुआ धागा" "विस्कोज कता हुआ" "धागा" आदि ये शब्द तथा ऊनी धागे के मामले में "ऊनी वस्टेड धागा" "ऊनी सेमी वस्टेड धागे", "ऊनी शॉर्टी धागे" "ऊनी हैंड निटिंग धागे" आदि जैसा भी शामिल हो।

(सी) जब धागे के निर्माण में दो या अधिक धागों का प्रयोग हुआ हो तो "संमिश्र कटे हुए धागे" ये शब्द जिनके साथ प्रत्येक रेशे का प्रजातिगत नाम तथा उसका धागे में मही प्रतिशत जैसे नीचे वर्णित है :—

"संमिश्र कटे हुए धागे"

सूत—60%

पॉलिएस्टर—40%

या

पॉलिएस्टर—40%

सूत—20%

विस्कोज—22%

या

ऊन—45%

पॉलिएस्टर—40%

विस्कोज—15%

परन्तु जब किसी भी रेशे का प्रतिशत धागे में होने वाले वृत्त रेशे के 2% से कम है तो ऐसे रेशे का प्रतिशत अंकित करने की आवश्यकता नहीं है।

(डी) जहां कहीं लागू हो 'टोलरेंस एवं प्वाइज' समेत यार्न का काउंट

(ई) सूची धागे एवं मानव-निर्मित रेशों के बने हुए धागे के संबंध में सी.एस.पी. मूल्य

(एफ) किलोग्राम में शुद्ध भार

(जी) पैकिंग का माह एवं वर्ष

टिप्पणी :— (एक) यदि धागा कपास या मानव-निर्मित रेशों से बना हुआ हो तो यार्न का काउंट अंग्रेजी में दर्शाया जायगा तथा ऊनी धागे के मामले में मैट्रिक काउंट में दर्शाया जायेगा।

(दो) कोन के धागे के मामले में उपरोक्तानुसार विहित अंकनवाला लेबिल कोन की भीतरी ओर चिपकाया जाये तथा बीमपर होने वाले यार्न के मामले में अंकन का लेबिल सुरक्षित रूप से बीम को बांधा जाये। कोन पर होने वाले शॉडी ऊनी धागे के मामले में ऐसा लेबिल कोन की बाहरी ओर भी चिपकाया जा सकता है।

11. मानव-निर्मित निरंतर (फिलामेंट) धागों पर अंकन :— निम्न अंकन निर्माता द्वारा भारत में बिक्री के मानव-निर्मित निरंतर फिलामेंट या के बंडल/पैकेज पर कागज के लेबिल पर सुरक्षित रूप से चिपकाये या संलग्न किये जाये :—

(ए) निर्माता का नाम एवं पता

(बी) पैकेज में होने वाले यार्न का शुद्ध वजन किलोग्राम में

(सी) फिलामेंट की प्रकृति सहित धागे का डेनियर तथा प्रति मीटर घुमाव (ट्विस्ट) जिसके साथ "फिलामेंट यार्न" और उसके प्रजातिगत नाम, जैसे कि "पॉलिएस्टर", "विस्कोज", "नाईलॉन" या "एकिलिक" आदि जैसे नीचे वर्णित।

"पॉलिएस्टर फिलामेंट यार्न—40/12/600"

टिप्पणी :—कोन/काँप पर होने वाले मानव-निर्मित फिलामेंट यार्न के संबंध में उपरोक्त मद (बी) के अनुसार किलोग्राम में शुद्ध भार सिर्फ प्रत्येक काउंटपर ही अंकित किया जाये न कि प्रत्येक कोन/काँप पर।

### भाग—चार कपड़े के टुकड़े पर अंकन

12. कपड़े पर अंकन :—अनियमित कपड़े के प्रत्येक टुकड़े की उपरी तह पर निम्न अंकन किया जायेगा :—

(ए) निर्माता एवं निर्माण के लिये कारण बने हुए व्यक्ति का नाम एवं पता।

(बी) कपड़े का वर्णन उदाहरणार्थ, "धोती", "साडी", "शर्टिंग", "सूटिंग"।

(सी) कपड़े की साई संख्या।

(डी) लम्बाई मीटर में एवं चौड़ाई "सेंटी मीटर" में।

(ई) "साधारण धुलाई के लिये पक्का" या "साधारण धुलाई के लिये पक्का नहीं" जो भी मामला हो। "प्रेशरक" या "मर्सरगैज्ड" या कोई अन्य पद्धति जो भी मामला हो।

(एक) जब कपड़ा "ब्लैकड्यू", या "अतिशय टुकड़ा"/"दोषपूर्ण कपड़ा" या जो कोई भी मामला दो में वर्गीकृत किया हो तो "सैलड्यू" या "अतिशय टुकड़ा"/"दोषपूर्ण टुकड़ा" ये शब्द।

(जी) मानव निर्मित रेशों से या फिलामेंट धागे से बने कपड़े पर "से बना" जिसके बाद "स्पन X स्पन" या "फिलामेंट X फिलामेंट" "स्पन X फिलामेंट" ये शब्द।

(एच) पैकिंग का माह एवं वर्ष

(आई) कपड़े की डीक बनावट जो ताना और बाना दोनों इकट्ठा कराकर धागे की कुल मात्रा में होने वाले एक-एक का वजन के अनुसार प्रतिशत जैसे कि नीचे वर्णित है :—

(एक) पॉलिएस्टर	---	100%
या		
सूत	---	100%
या		
विस्कोज	---	100%

(दो) अनियमित कपड़े के मामले में "संमिश्र वस्त्र" इन शब्दों के बाद प्रत्येक स्वच्छ का प्रजातिगत नाम तथा उनसे हुए कम में उल्लेख करनेवाले सभी प्रतिशत जैसे नीचे वर्णित है :—

"संमिश्र वस्त्र"

पॉलिएस्टर	---	45%
सूत	---	38%
विस्कोज	---	22%
या		
सूत	---	60%
पॉलिएस्टर	---	40%
या		
ऊन	---	40%
पॉलिएस्टर	---	38%
विस्कोज	---	22%

टिप्पणी :—

(एक) शॉडी जती कपड़ों के संबंध में ऊन की न्यूनतम मात्रा अंकित की जायेगी।

(दो) जब किसी भी रेशों का प्रतिशत संमिश्र वस्त्र में होने वाले रेशों की कुल मात्रा के 2% से कम हो तो ऐसे रेशों का प्रतिशत अंकित करने की आवश्यकता नहीं है।

(तीन) उपरोक्त मद (एफ) तथा (आई) जैसा अंकन कपड़े के प्रत्येक एकतर मोटर पर कितने से 2.5 से.मी. तक की ऊंचाई पर किया जायेगा।

13. एम्प्राउरी (जरशरी) :—कपड़े हुए कपड़े में उठा कपड़ा जो सूखा, जटोर करवा, पीपित, सजावट के वस्त्र, टीशर्टी कपड़े, जेकार्ड कपड़े, कलार काटा, ऊनी पट्टी, रोजन, रोजन, रोजन, चदर तथा निट कपड़े में उठा धागा में बने हुए डिजाइन से सजाये गये कपड़े के मामले में इन अधिनियम में विहित अंकन या तो ऐसे कपड़े की उपरी तह पर या सुरक्षित रूप से चिपकाये गये कागज या कपड़े के ऐसे टुकड़े पर या ऐसे कपड़े से सुरक्षित ढंग से सिलाने गये कपड़े के टुकड़े पर किया जायेगा।

भाग—पांच

14. गांठों या दूसरे पैकेजों पर अंकन :—निम्न अंकन प्रत्येक गांठ पर, तहड़े के अंतर्गत या कपड़ा या धागे के दूसरे पैकेज पर यहाँ दो गदे पद्धति के अनुसार किया जायेगा।

(ए) निर्माता का नाम

(बी) पैकिंग का माह एवं वर्ष

(सी) किसी गांठों के गदे कट्टे का सभी वर्णन करने वाले "कोर" या "विरंजित" या "रंगीन" शब्द।



टिप्पणी :—ऐसे अंशों के संदर्भ में “कोरा” कपड़ा तथा “विरजित” कपड़ा से तात्पर्य केवल रंगीन धारियाँ एवं शीशोंवाली भाड़ियाँ, धोतियाँ, या अन्य कपड़े समेत प्रत्येक वर्णन का क्रमानुसार कोरा तथा विरजित कपड़ा छपा हुआ कपड़ा, तथा कपड़ा जो पूर्ण रूप में या आंशिक रूप से डाय किये हुए धागे से बने हों तथा उसमें कोरी या बर्नाचड साड़ियाँ, तौलिये या केवल रंगीन धारियाँ एवं शीशोंवाला अन्य कपड़ा।

(डी) “चिंदीज”, “मेज”, “फेन्स” “सैकंड्स” या “क्षतिग्रस्त टुकड़े” जो भी मामला हो।

(ई) जब गांठ या पैकेज में धागा हो :—

(एक) निर्माता का नाम

(दो) धागे का काउंट,

(तीन) पैकिंग का मात्र एवं वर्ष

(चर) कितनाग्राम में कुल वजन।

फार्म (ए)

अनुलग्नक (ए)

(तीन प्रतियों में)

(अधिसूचना सं. सीइआर/(18)/88—सी एल बी दिनांक 7-3-1988 का अनुलग्नक)

विषय :—प्रोसेसिंग/आगे की प्रोसेसिंग के लिए प्रोसेसर/ट्रेड प्रोसेसर के द्वारा कपड़े का विवरण :—

संदर्भ सं. :—

दिनांक

संदर्भ :—(1) खण्ड 3 (जी)

(2) खण्ड 4 (एफ)

1. कपड़े का विस्तृत विवरण : प्रोसेसिंग करने वाले मालिक/निर्माता द्वारा

कपड़े का पूरा वर्णन जैसे कि रेशों का कंपोजिशन संरचना तथा अब तक किया गया प्रोसेस साटै सं. ट्रेड सं. समेत

मात्रा मीटर में लम्बाई एवं चौड़ाई

केन्द्रीय उत्पाद ए आर से दिनांक

2. प्रोसेसर द्वारा आगे किए जाने वाले प्रोसेस का टाईप.
3. प्रोसेसिंग के लिए लगने वाला संभाव्य समय
4. उपरोक्त (2) की पूर्ति के बाद प्रोसेसर द्वारा अंकित होने वाली कानूनी अंकन एवं पैकिंग के लिए विस्तृत अनुदेश
5. नाम, डाक पता मालिक/निर्माता की मुहर तथा हस्ताक्षर
6. प्रोसेसर का नाम डाक पता मुहर एवं हस्ताक्षर

फार्म (बी)

अनुलग्नक (बी)

(अधिसूचना सं. सीइआर (18)/88—सी ए बी दिनांक 7-3-1988 का अनुलग्नक)

विषय :—प्रोसेसिंग/आगे की प्रोसेसिंग के लिए कपड़े की प्राप्ति के रजिस्टर में कालम, प्रोसेसर/ट्रेड—प्रोसेसर द्वारा

दिनांक

संदर्भ :—(1) खण्ड 3 (जी)

(2) खण्ड 4 (एफ)

1. क्रम संख्या
2. कपड़े का पूरा वर्णन जैसे रेशों का कंपोजिशन संरचना तथा अब तक किया गया प्रोसेस
3. मीटर में मात्रा लम्बाई X चौड़ाई
4. केन्द्रीय शुल्क ए. आर. सं.—दिनांक
5. साटै सं.
6. ट्रेड सं.
7. किए जाने वाले प्रोसेस का प्रकार
8. प्रोसेसिंग के लिए संभाव्य तारीख
9. (ए) पैकिंग (बी) अधिसूचना के अंतर्गत कानूनी अंकन आदि के संबंध में विस्तृत अनुदेश
10. वस्तु की प्राप्ति की तारीख
11. जिससे प्राप्त हुआ उस परिवहन का विवरण
12. दूसरे विधायक द्वारा उत्पाद निकासी की तारीख एवं ए. आर. संख्या
13. माल के डिस्पैच की तारीख
14. जिसको माल डिस्पैच किया उसका पता
15. परिवहन विवरण

अधिसूचना—

अधिसूचना सं.सी.ए.आर./15/88-सं.एलवी दिनांक 7-3-1988;

खण्ड 2 का संशोधन

इन अधिसूचना के संबंध में नीचे दी गई मदें दाखल की जायेगी—

- (1) फ्लैट जो लम्बाई में 7 सेंटीमीटर या उससे अधिक तथा चौड़ाई में 0.6 सेंटीमीटर या उससे अधिक है।
- (2) दरार जिसमें—
  - (ए) ग्रॉस सीटर 2.5 सेंटीमीटर में 48 या उससे कम पिक्स में बने हुए, कपड़े में सीत में अधिक पिक्स बना।
  - (बी) ग्रॉस सीटर 2.5 सेंटीमीटर में 48 या उससे अधिक पिक्स में बने हुए कपड़े में चार से अधिक पिक्स बना।
- (3) (ए) छेद जो पिन-छेद नहीं, कटा या फटा हो कपड़े के अंग में है और 0.3 सेंटीमीटर से बड़ा परन्तु 0.4 सेंटीमीटर से आकार कम और किनारे 1.2 सेंटीमीटर से अधिक।
- (4) प्रयोग में लाए गए कर्जों सामान में फटा पड़ने में या ईन्वयर, टिक्केट, चमक या कपड़े की छेदों में रंग या उमरों छेदों में फटा होने में या बोरी के धागे के सलग बोरे के लिए विकस स्पेसिंग की श्रमद्ध से वेपट-वार।
- (5) जब कपड़े में एक या उससे अधिक छूटे हुए/त मिलने वाले छेद जो एक साथ एक आकार होने हैं तथा उससे जाने की दिशा में दरार जो लम्बाई में 1.5 सेंटीमीटर से अधिक है।
- (6) जब कपड़े में विपरीत दोन धागे तेल के धागे हैं।
- (7) जब कपड़े में तैर्राप जाता हो या स्पष्ट रूप से दिखाई देने वाला स्लान या छेद हुआ या बुना हुआ पैटर्न जो प्रत्यक्ष रूप में टूटा हुआ है या लिट या वेपट मरिक्का से हमरा वस्तुएं कपड़े में घुन जाने से हुआ गार्जेंट (गॉर्ज)।
- (8) विरंजन या डार्किंग में दोष जैसे कि डाइस्टक धब्बा, गाढ़ा पंच स्फेड स्पॉट, विरंजन स्पॉट आदि जो एक चौरस मीटर में हो।
- (9) छपाई में दोष अर्थात् स्पष्ट रूप से दिखाई देने वाले स्पॉट दोष जैसे कि डाइस्टक धब्बा, गलत छपाई, छाप का अभाव, खड़े धागों की वजह से निर्माण हुआ दोष, डेक्कमें स्टेन तथा लाइनर दोष जैसे असमान छपाई एवं असमान टिटिंग, कानार में न होने की वजह से, निर्माण हुआ दोष, डाक्टर लाइन, छपाई व मिश्रण के अभाव आदि से दोष हैं।
- (10) यदि कपड़े में स्थायी निशान या स्काई-रन या पार्श्विक या रेजिन दोष हो।
- (11) कपड़ा जब धुलाई में आता जाता है जैसे कि कम्बल आदि तो उसमें दोषपूर्ण होना।
- (12) यदि कपड़े में स्पष्ट रूप से दिखने वाला गॉट या ताने ओर जाने के धागे इस तरह से बंधे हो जो महज रूप से दिखाई दे या महसूस हो।
- (13) प्रोमी या गाडी के सामने में पॉन बोर्डे शायक नहीं है (जो केवल "अनिपपन कपड़े" के रूप में पैक किया जाता है)।
- (14) रमेश जो निश्चित रूप से पोंत का नष्ट करता है।
- (15) कपड़े में (1) बल उठाए कपड़ा के सामान में घुटी या छेद में होने वाले स्पष्ट रूप से दिखने वाले दोष छेद।

(16) कपड़े पर (केवल ऊपर कपड़ों के सामने में) छेद, छूटे या छेदों के 5% से आकारान्त स्पष्ट दिखने वाले छेद।

(17) बोर्डे जो छेदों या गार्जों में छूटे हुए/ताने, या बम्बल या अंग के छिद्र होने में छेद में असमानता वाली हो तथा जो, कपड़े का अस्तित्व कपड़े में 2.5 सेंटीमीटर से अधिक नहीं है किन्तु ऊपर कपड़े में है।

(18) अंग्रेज जो निश्चित रूप से 1.2 सेंटीमीटर (अथवा) 0.3 सेंटीमीटर से अधिक नहीं है किन्तु बल उठाए जाने पर, कपड़े में छेदों में अस्तित्व छेदों में अंग्रेज के सामने में है।

(19) अंग्रेज बम्बल का ऊपर आकार किन्तु फ्लैट डार्किंग जिसमें बम्बल का छेद में असमानता बता हो।

(20) किट एवं स्फेडर का कपड़े के सिले में निर्माण स्फेडरिंग या वेपट में फटा होने से जाने में निर्माण या कपड़ा।

(21) स्पष्ट निश्चित रूप से 1.2 सेंटीमीटर से अधिक नहीं किन्तु अंग्रेज के दोषों का कारण हो।

(22) अंग्रेज पार्श्विक दोष अर्थात् 2.5 सेंटीमीटर से अधिक नहीं किन्तु अंग्रेज या अंग्रेज स्पॉट, अंग्रेज वेपट स्पॉट आदि तथा कपड़े में असमान रेजिन या पार्श्विक एवं रेजिन का कारण।

(23) कपड़े में किन्तु जो अन्तिम रूप में बम्बल, या दोष-पूर्ण प्रोमिंग की वजह से कपड़े के पोंत में निर्माण दिखाया जाता हो।

(24) बम्बल कपड़े में असमानता पर निर्माण कपड़े पर बम्बल।

## MINISTRY OF TEXTILES

(Office of the Textile Commissioner)

Bombay, the 7th March, 1988

## NOTIFICATIONS.

No. CER/15/88-CLB.—In exercise of the powers conferred on me by Clause 17 of the Textiles (Control) Order, 1986, I hereby issue the following Notification :—

## PART—I

1. Short title, extent & commencement :—(1) This Notification may be called the Textile (Consumer Protection) Regulation, 1988.

(2) It extends to the whole of India.

(3) It shall come into force from the 15th June, 1988.

2. Definitions :—(1) "Damaged piece" or "Defective piece" means a piece of cloth which contains more than two defects, as enumerated in Annexure 'C' of this Notification, per 5 metres or part thereof.

(2) "Dealer" means a person trading in tops, yarn or cloth, whether wholesale or retail and whether or not in conjunction with any other business.

(3) "Manufactured for export and not for sale in India" means to be exported by the manufacturer

himself or sold by him, whether or not in pursuance of a pre-existing contract, to an exporter for export only, in accordance with provisions of the Imports and Exports (Control) Act 1947 (18 of 1947), for which separate record is kept by both.

4. "Manufacturer" (in addition to "Producer" and "Processor") also includes a hand processor, namely a person engaged in any ancillary process subsequent to the production of yarn, cloth, top or other textiles, without power or without use of steam generated by a boiler, as defined in clause (b) of section 2 of the Indian Boiler's Act, 1923 (5 of 1923) and the said expression 'manufacturer' shall include, a person who causes to manufacture, and its grammatical variation shall be construed accordingly.

(5) "Packing" means all types of packing such as roll packing, piece packing, packing in bale, case or bag etc.

(6) (i) "Piece of Cloth" excludes chindies, rags and fents and includes :—

(a) Cloth in any running length, exceeding 90 cm. where the width of the fabric is one metre or more, or, exceeding 135 centimetres where the width of the fabric is less than one metre.

(b) Dhoties and sarees, ordinarily sold by pair or piece, the total length of such uncut cloth, and

(c) Handkerchief, pillow-cases, towels, chaddars, blankets, bed-sheets and bed-covers.

(ii) "Fents" mean.—Cut-pieces of cloth of length 45 centimetres or more but not exceeding 90 centimetres where the width of the fabric is one metre or more and of length 65 centimetres or more but not exceeding 135 centimetres where the width of the fabric is less than one metre.

(iii) "Rags" mean.—cut pieces of cloth of length more than 23 centimetres but less than 45 centimetres where the width of the fabric is one metre or more, and of length more than 23 centimetres but less than 65 centimetres where the width of the fabric is less than one metre.

(iv) "Chindies" mean cut-pieces of cloth having length 23 cm. or less in length.

(7) "Seconds" means a piece of cloth of any length having two defects per 5 metres or part thereof as enumerated in Annexure 'C' of this Notification and excludes damaged piece or defective piece.

(8) "Tendered Cloth" means a piece of cloth whose cupra-ammonium fluidity test is 10 or more Rhes or it does not have the minimum of 50 per cent of tensile strength of the fabric of the said count construction would normally have.

(9) All other definitions given in the Textiles (Control) Order, 1986 shall also apply to this Regulation.

3. Directions Regarding Marking :—Unless otherwise specified in this Notification, :—(a) The markings

on tops, yarn and piece of cloth as prescribed in this Notification shall be complied with by the manufacturer, including the person who causes them to be manufactured.

(b) All markings specified herein shall be made by the manufacturer on tops, yarn and piece of cloth in concerned manufacturing premises before their packing for delivery.

(c) These markings will be in addition to any other markings specified under any other law.

(d) No fake or misleading markings shall be made on tops, yarn and piece of cloth by any person.

(e) No person shall offer or store for sale such goods with fake or misleading markings or without the statutory markings or in violation of this Regulation.

(f) All tests that may be carried out in pursuance of this Regulation shall be with reference to the standards prescribed by the Bureau of Indian Standards.

(g) All processors hand processors, shall obtain declaration in Form A at Annexure 'A' of this Notification from owners of goods delivered for processing and shall enter them appropriately in the Register in Form B at Annexure 'B' of this Notification on the day of the receipt of the goods.

(h) No person shall store or offer for sale tendered cloth except in the form of rags or chindies.

4. Exemption :—Nothing in this Notification shall apply to :—

(a) Package of cotton and man-made fibre yarn below 500 gm. in weight and package of woollen yarn below 50 gm. in weight.

(b) Tops, yarn and cloth manufactured for export and not for sale in India.

(c) Hand spun yarn, and products thereof as per certification of the khadi and Village Industries Commission.

(d) Handloom Cloth.

(e) Loom-state uncalendered cloth.

(f) Cloth delivered by a processor hand processor to another processor hand processor for further processing.

Provided intimation regarding movement of such cloth is sent before hand by the former, in the Form at Annexure 'A' of this Notification, by Registered Post, to the Regional Office of the Textile Commissioner under whose jurisdiction the letter falls and.

Provided movement of such cloth is recorded by the latter in the register maintained by him for this purpose in the Form at Annexure 'B' of this Notification.

(g) Hand Waste.

(h) Ropes, tapes newar, ribbons or any other narrow width fabric, of width not exceeding 15 cm.

(i) Any piece of diamond mesh mosquito netting not exceeding 15 cm. in width at any point in the direction at right angles to the longest length.

(j) Type cord yarn.

(k) Cloth delivered directly for industrial use to the industry, including manufacturer of readymade garments, duly registered with the Office of the Textile Commissioner, Bombay, or licensed under the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (63 of 1951) provided the cloth is stamped with the words "For industrial use only and not for Local Sale" on both ends of the piece, for which separate record is kept by both.

(l) Yarn reeled off from cop bottom having loose ends or knots.

(m) Filter cloth, endless woven felt and woven conveyor belt.

5. Tolerance :—Every marking specified in this Notification in respect of length, width, count, denier or weight, etc. shall be always subject to the relevant limits of variation laid down in Notifications issued under Section 95 of the Trade and Merchandise Marks Act, 1958 (43 of 1958).

6. Miscellaneous.—(1) Unless otherwise specifically provided in this Notification, the markings of words and letters shall be in Hindi in Devnagari Script and in English in Capital letters and the numerals marked shall be the international numerals.

(2) The markings prescribed under this Notification can also be made in other languages, in addition to language prescribed above.

(3) The height of the letters and figures used shall not be :—

(a) less than 0.5 cm. for markings specified under parts II, III and IV.

(b) Less than 0.25 cm. for markings to be made in case of yarn packed in cones specified Under part III and.

(c) less than 3 cm. for the markings specified under part V.

(4) The markings to be made under this Notification on the face plait and selvages of non-controlled cloth pieces and on bales or packages of non-controlled cloth shall be made in colour other than red.

(5) Where violation of any of the provisions of the Regulation by any manufacturer including processor or dealer or any person is suspected, the aggrieved person or any registered voluntary consumer association shall be entitled to have such tops, yarn and cloth tested in the laboratory, notified by the Textile Commissioner from time to time, on payment of such fees and on such terms and conditions as he may prescribe. The said laboratory shall issue a test certificate to such aggrieved person or such registered voluntary consumer association to enable them to initiate legal proceedings. If and when required, the concerned laboratory shall direct its concerned staff to appear before the court to testify the results set out in the said certificate.

(6) In addition to the prescribed markings under the Regulation, tops, yarn and cloth, as the case may be, may also be marked "All wool", provided content of new wool is 95 per cent or more.

7. Relaxation :—Where, on an application made by any manufacturer or class of manufacturers or otherwise, the Textile Commissioner is satisfied that any direction issued by him under this Notification causes undue hardship or difficulty to any such manufacturer or class of manufacturers, he may, by an order, for reasons to be recorded in writing direct that the directions shall not apply, or shall apply subject to such modifications, as may be specified in the order, to such manufacturer or class of manufacturers.

8. Repeal & Saving :—The following Notifications of the Textile Commissioner shall stand repealed after the commencement of this Notification :

(a) No. CER/3/69 dated 19-9-1969.

(b) No. 5(2)/81-CIB II dated 23-11-1981.

(c) No. CER/3A/75 dated 1-10-1975.

Provided that any order made, right accrued, penalty incurred, or anything done or deemed to have been made under the Notifications so repealed, shall be deemed to have been made, issued, accrued, incurred or done under the corresponding provisions of this Notification.

## PART II MARKING ON TOPS

9. Marking on Tops :—On paper label securely pasted on the out-side of each package containing tops, the following marking shall be made :—

(a) Name and Address of the manufacturer.

(b) The net weight in Kg.

(c) Mean fibre length (in mm) Micron in case of wool tops.

(d) In case of blended tops, the words "Blended Tops" followed by exact percentage including standard moisture regain of each of the different types of fibre present in the tops packed, as illustrated below :—

Wool—45 per cent.

Polyester—40 per cent.



Viscose—15 per cent.

### PART III—MARKINGS ON YARN

10. Markings on Spun Yarn :—The following markings shall be made on spun yarn by the manufacturers, on paper label securely pasted or attached on the bundle/package of yarn meant for sale in India :—

- (a) Name and address of the manufacturer.
- (b) When spun from one fibre, the words "Cotton Yarn" "Polyester spun Yarn", "Viscose Spun Yarn" etc. and in case of woollen yarn, "Woollen Worsted Yarn", "Woollen semi worsted yarn", "Woollen Shoddy Yarn", "Woollen Hand Knitting Yarn" etc. as the case may be.
- (c) When two or more fibres have been used in the manufacture of the yarn, the words, "Blended Spun Yarn" followed by the generic name of each fibre and its exact percentage in the yarn, as illustrated below :—

"Blended Spun Yarn"

Cotton—60 per cent.

Polyester—40 per cent.

or

Polyester—40 per cent.

Cotton—38 per cent.

Viscose—22 per cent.

or

Wool—45 per cent.

Polyester—40 per cent.

Viscose—15 per cent.

Provided that when the percentage of any fibre is less than 2 per cent of the total fibre content in the yarn, the percentage of such fibre need not be stamped.

- (d) Count of yarn alongwith fold and plies wherever applicable.
- (e) C.S.P. value in case of cotton yarn and man-made fibre spun yarn.
- (f) Net Weight in Kg.
- (g) Month and Year of packing.

Note :—(i) In case the yarn is spun from cotton or man-made fibre, count of yarn shall be indicated in English Count, and in case of woollen yarn its counts shall be indicated in metric (N.M.) counts.

(ii) In case of yarn on cones, the label containing the prescribed markings as above may be pasted inside the cone, and in case of yarn on beam, the label containing the markings may be securely fastened to the beam. In case of shoddy woollen yarn on cone, such label can also be pasted outside the cone.

586 GI/88—2

11. Markings on Man-Made Continuous (Filament) Yarn :—The following markings shall be made on man-made continuous (filament) yarn by the manufacturer on paper label securely pasted or attached on the bundle/package of yarn meant for sale in India :—

- (a) Name and address of the manufacturer.
- (b) Net weight in kg. of yarn in the package.
- (c) Denier of yarn with number of Filaments, and twists per metre preceded by the word "Filaments, Yarn" and its generic name, such as "Polyester", "Viscose", "Nylon", or "Acrylic" etc. as the case may be, as illustrated below :—

"Polyester Filament Yarn---40|12|600".

Note.—In case of man-made filament yarn on cones/cops, the net weight in kg. as per item (b) above, may be marked only on each carton and not on each cone/cope.

### PART IV—MARKINGS ON CLOTH

12. Markings on Cloth—The following markings shall be made on the faceplait of each piece of non controlled variety of cloth :—

- (a) Name and address of manufacturer and the person who causes such manufacture, if any.
- (b) Description of the cloth, for example "dhoti", "saree", "Shirting", "suiting".
- (c) Sort number of the cloth ;
- (d) Length in metres and width in "cm."
- (e) "Fast to normal Washing" or "Not fast to normal washing" as the case may be ; words "preshrunk" or "mercerised", or any other process actually carried out, as the case may be.
- (f) The words, "Seconds" or "Damaged Piece Defective Piece" when the piece of cloth is classified as "Seconds" or "Damaged Piece|Defective Piece", as the case may be ;
- (g) In case of cloth made from man-made fibre or filament yarn, the words "Made From", followed by the words "Spun X Spun", or Filament X Filament" or "Spun X Filament", as the case may be.
- (h) Month and year of packing.

- (i) The exact composition of the cloth expressed in percentage by weight of each of the individual constituents to the total yarn content of both warp and weft put together, as illustrated below :—

(1) Polyester—100 per cent.

or

Cotton—100 per cent.

or

Viscose—100 per cent.

- (2) In the case of Blended cloth, the words "Blended Fabric" followed by the generic name of each constituent and its exact percentage by weight in the descending order shall be stamped, as illustrated below :—

"Blended Fabric"

Polyester—40 per cent.

Cotton—38 per cent.

Viscose—22 per cent.

or

Cotton—60 per cent.

Polyester—40 per cent

or

Wool—40 per cent.

Polyester—38 per cent.

Viscose—22 per cent.

Note.—(1) In case of shoddy woollen blankets, minimum content of wool shall be stamped.

(2) When the percentage of any fibre is less than 2 per cent of the total fibre content in the blended fabric, the percentage of such fibre need not be stamped.

(3) The markings as in items (i) and (i) above shall also be made on every alternative metre of the cloth at a height not exceeding 2.5 cm. from the selvedge.

13. In the case of embroidered cloth (i.e. cloth decorated with designs formed by extra treads with the help of needles), meshcloth, towels, furnishing

fabrics, tapestry cloth, jacquard cloth, Corduroy cloth, woollen suit piece length, Handkerchief, raised blanket, bed sheet and lint cloth, the markings prescribed under this Notification may be made either on the face plait of such cloth or on a piece of cloth or paper securely stitched or stuck on the face plait of such cloth.

## PART—V

14. Markings on bales or other packages.—The following markings shall be made on every bale, wooden case or other package of cloth or yarn in the manner detailed herein-after :—

- (a) Name of the manufacturer ;
- (b) Month & year of packing ;
- (c) The word "Grey" or "Bleached" or "Coloured" correctly describing the entire contents of such bale, case or package under one or the other of these description :

Note : For the purpose of such markings "Grey" cloth and "Bleached" cloth mean, respectively grey and bleached cloth of every description, including sarees, dhoties or other cloth with coloured borders or headings only; and coloured cloth means piece-dyed cloth, printed cloth and cloth made wholly or partly from dyed yarn and excludes grey or bleached sarees, towels or other cloth with coloured borders or heading only.

- (d) "Chindies", "Rags", "Fents", "Seconds" or "Damaged Pieces/Defective Pieces" as the case may be.
- (e) When a bale or package contains yarn :—
  - (i) Name of the Manufacturer
  - (ii) Counts of Yarn
  - (iii) The month and year of packing ;
  - (iv) Gross weight in kg.

## ANNEXURE—A

## FORM 'A'

(Appendix to Notification No. CER (18)/88—CLB Dated : 7-3-1988)

Subject: Details of cloth for processing/further processing by processor including hand processor.

REF. No.

Date:

(Reference Clause (1) Clause 3(g)

(2) Clause 4(f)

## 1. Details of cloth : from the owner/manufacturer for processing

Full description of the cloth viz. fibre composition, construction and processes carried out so far with sort No. Trade No.	Quantity in metres length × width	Central Excise AR No. & Date
(1)	(2)	(3)
2. Type of process to be further carried out by the processor.		
3. Probable period of processing.		
4. Detailed instructions for packing, and markings including statutory markings to be stamped by the processor after completion of (2) above.		
5. Name, Postal address, Seal and Signature of the Owner/-Manufacturer.		
6. Name, Postal address, Seal and Signature of the Processor.		

## ANNEXURE—B

## FORM 'B'

[Appendix to Notification No. CER/(18)/88—CLB Dated: 7-3-88]

Subject: Columns in Register for maintaining receipt of cloth for processing/further processing, by processor including hand processor.

REF. NO.

DATE:

Reference (1) Clause 3(g)

(2) Clause 4(f)

1. S. No.
2. Full description of the cloth viz. fibre composition, construction and processes carried out so-far:
3. Quantity in metres length  $\times$  width
4. Central Excise A.R. No.
5. Sort No.
6. Trade No.
7. Type of process to be carried out:
8. Probable date for processing :
9. Detailed instructions regarding (a) packing, (b) statutory marking under this Notification:
10. Date of receipt of cloth:
11. Transport by which received and details thereof:
12. Date of Central Excise clearance and AR No.
13. Date of despatch of the goods.
14. Address to which the goods despatched;
- Transport details:

Date:

## ANNEXURE—C

(Notification No. CER/(18)/88-CLB dated 7-3-88)

Reference to Clause 2

For the purpose of this Notification, each of the items listed below shall be considered as defect :

(1) A float measuring 7 cm. or in length and 0.6 cm. or more in width.

(2) A crack having—

(a) More than three picks missing in cloth made with 48 or less picks per 2.5 cm.

(b) More than four picks missing in a cloth made with more than 48 picks per 2.5 cm.

(3) A hole, not being a pin hole, cut or tear exceeding 0.3 cm. but does not exceed 0.6 cm. in size when in the body of the cloth or exceeding 0.6 cm. but does not exceed 1.2 cm. in size when on the selvage.

(4) Weft bar due to either difference in raw material used, denier, twist, lustre or difference in colour or shade in the dying of the cloth or due to picks spacing for adjacent groups of weft yarn:

(5) When the cloth has more than two broken missing ends going together in one place and forming a warp way crack having length exceeding 15 cm.

(6) When the cloth has a noticeable oil stain mark in its body.

(7) When the cloth has oily welt, or prominently noticeable slub unless used for fancy purpose or conspicuously broken pattern either printed or woven, or gout due to foreign matters such as lint or waste materials woven into the cloth.

(8) Bleaching and Dyeing defects viz. dyestuff stain, blurred or dark patch, white spot, bleaching spot etc. of over 1 sq. cm.

(9) "Printing defect" viz. prominently noticeable spot defects such as dyestuff stain, misprint, absence of print, defect caused by hanging threads, Doctor's stain, and liner defects like uneven printing or uneven tinting, defect caused by non-alignment, Doctor's line, absence of print, scrip etc."

(10) If the cloth has a local milling or scouring or piling or raising defect.

(11) Defective hemming when the cloth is sold in units such as blankets etc.

(12) If the cloth has any prominently visible knot or warp or weft thread tied into a projection easily visible or felt by touch.

(13) In case of dhoti and sarree, if any heading is missing (to be packed as "Damaged cloth only").

(14) A smash definitely rupturing the texture of the cloth.

(15) Prominently noticeable double ends running throughout the length of the piece (in the case of woollen cloth only).

(16) Undressed snarls noticeable over a length exceeding 5 per cent of the length stamped on the piece; (in the case of woollen cloth only).

(17) Any thinly or heavily dyed selvage being dyed differently from the body of the fabric resulting in non-uniformity of shade and extending beyond 2.5 cm. inside the fabric throughout, (in the case of woollen cloth only).

(18) Shading or listing having gradual change in tone or depth of shade of the fabric which may be liable to impart different shade to the component parts of the garments when made from the cloth.

(19) Patchy dyeing on the face side of the woollen fabrics throughout resulting in non-uniformity in the shade of the fabric.

(20) In the case of milled and scoured woollen cloth, excess or deficiency of cover, due to difference in milling, scouring or raising.

(21) Prominent mill-rigs, such as felted folds and crease produced during milling.

(22) Raising piling defects, viz. Pileless sports, uneven or loose pile sports, uneven raised spot, etc. over 2 sq. cm. and noticeable uneven raising or absence of piling raising.

(23) Cockled finish causing defective appearance in texture of the fabric throughout the piece due to irregular tension, unbalanced or defective processing.

(24) "Any other defect notified by the Textile Commissioner from time to time."

सं. सी.ई.आर./19/88/सी.एल.बी. :- वस्त्र (नियंत्रण) आदेश, 1986 के खण्ड 17 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा अधिसूचना सं. सी.ई.आर./17/87-सी.एल.बी., दिनांक 12 फरवरी, 1987 के अधिलेखन में, मैं एतद्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं. सी.ई.आर./14/87-सी.एल.बी., दिनांक 16-6-1987 जो वस्त्र (उपभोक्ता संरक्षण) विनियम, 1987 कही जाती है, का तत्काल खण्डन करता हूँ।

अरुण कुमार, वस्त्र आयुक्त

No. CER/(19)/88-CLB.—In exercise of powers conferred on me under Clause 17 of the Textiles (Control) Order, 1986, and in supersession of the Notification No. CER/(17)/87-CLB dated the 12th February, 1987 I hereby rescind with immediate effect the Textile Commissioner's Notification No. CER/(14)/87-CLB dated 16-6-1987 called the Textiles (Consumer Protection) Regulation, 1987.

ARUN KUMAR, Textile Commissioner